Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Shodshaka Prakaranam

Folder No. 003033
Granth Name Shodshaka Prakaranam
Author Haribhadrasuri, Buddhisagarsuri
Publisher Devchand Lalbhai Jain Pustakoddhar Samstha
Edition 1
Year 1911
Pages 230

षोडशकप्रकरणम्

फोल्डर नं. ००३०३३
ग्रन्थ षोडशकप्रकरणम्
लेखक हरिभद्रसूरि, बुद्धिसागरसूरि
प्रकाशक देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार संस्था
आवृत्ति १
प्रकाशन वर्ष १९११
पृष्ठ २३०

मुख्य टाइटल

अथ षोडशकप्रकरणपर्यालोचना वितन्यते ---------- १
षोडशकस्यानुक्रमदर्शन
अंग्रेजी प्रस्तावना ---------- १
प्रथमं षोडशकम् ---------- १
द्वितीयम् ---------- ७
तृतीयम् ---------- १२
चतुर्थम् ---------- १९
पञ्चमम् ---------- २५
षष्ठम् ---------- ३०
सप्तमम् ---------- ३५
अष्टमम् ---------- ४०
नवमम् ---------- ४१
दशम् ---------- ५२
एकादशम् ---------- ५८
द्वादशमम् ---------- ६४
त्रयोदशमम् ---------- ७०
चतुर्दशमम् ---------- ७७
पञ्चदशमम् ---------- ८२
षोडदशमम् ---------- ९०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org